शिक्षा के विविध परिप्रेक्ष्य और भारतीय ज्ञान परंपरा

PERSPECTIVES OF EDUCATION AND INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM

(बी० एड० प्रथम सेमेस्टर के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित)

Author

डॉ. लोहंस कुमार कल्याणी

Co-Authors

डॉ. नीरज यादव
वर्तिका राजपूत

Surya Multidisciplinary Publication
407, Ramlila Maidan Malviya Nagar Gonda, Uttar Pradesh (India)- 271001

© Surya Multidisciplinary Publication

Authors/contributors are solely responsible for the originality/authenticity/ accuracy of the ideas/ information/ views/ content/ data produced in their respective papers. Publisher and the Editor shall not be responsible for any liability arises on account of any civil or criminal proceeding(s) in any court/tribunal judicial body under any law for the time being in force. All rights including copyrights of translation etc are reserved and vested exclusively with the Surya Multidisciplinary Publication. No part of this publication shall be reproduced or transmitted in any form or by any means, including electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise or stored in any retrieval system of any nature without the express permission of the Surya Multidisciplinary Publication.

Book: शिक्षा के विविध परिप्रेक्ष्य और भारतीय ज्ञान परंपरा
Author: डॉ. लोहंस कुमार कल्याणी
Co-Authors: डॉ. नीरज यादव, वर्तिका राजपूत
Edition: 2025
ISBN: 978-93-49724-33-4
Price: 599/-
Publisher : Surya Multidisciplinary Publication
407, Ramlila Maidan Malviya Nagar Gonda, Uttar Pradesh (India)- 271001
Phone: +91- 9415093911
Email: info@suryampublication.com
Printed By: Global Printing Service, Delhi

प्रस्तावना

Preface

शिक्षा मानव जीवन का मूल आधार है, जो व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं प्रदान करती, बल्कि उसके जीवन मूल्यों, दृष्टिकोण और व्यक्तित्व के निर्माण में भी सहायक होती है। भारतीय परंपरा में शिक्षा सदैव एक समग्र प्रक्रिया मानी गई है, जिसका उद्देश्य केवल व्यावसायिक दक्षता प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्म-विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक चेतना का निर्माण करना रहा है।

"शिक्षा के विविध परिप्रेक्ष्य और भारतीय ज्ञान परंपरा" शीर्षक वाली यह पुस्तक बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। इस पुस्तक का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के विभिन्न आयामों—ऐतिहासिक, दार्शनिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक एवं आधुनिक संदर्भों—के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के गहन अध्ययन से परिचित कराना है। भारतीय शिक्षा परंपरा, जिसमें वेद, उपनिषद, गीता, बौद्ध-जैन साहित्य, गुरुकुल परंपरा तथा तक्षशिला-नालंदा जैसे महान शिक्षा केन्द्रों की विरासत शामिल है, आज भी शिक्षा की दिशा और दृष्टि प्रदान करती है।

इस पुस्तक में शिक्षा के आधुनिक विमर्श, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता, वैश्विक दृष्टिकोण में भारतीय शिक्षा प्रणाली की स्थिति तथा समकालीन चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला गया है। यह प्रयास किया गया है कि विषय-वस्तु को सरल, रोचक और व्यवहारिक उदाहरणों सहित प्रस्तुत किया जाए, ताकि विद्यार्थी न केवल परीक्षा की दृष्टि से लाभान्वित हों बल्कि भविष्य में एक संवेदनशील, सक्षम और मूल्यनिष्ठ शिक्षक के रूप में समाज को दिशा दे सकें।

हमें विश्वास है कि यह पुस्तक बी.एड. के विद्यार्थियों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, शोधार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े सभी पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। यदि इस पुस्तक के अध्ययन से विद्यार्थियों में शिक्षा के गहन परिप्रेक्ष्य और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वे अपने व्यावसायिक जीवन में इसका अनुप्रयोग कर पाते हैं, तो हमारा प्रयास सार्थक होगा।

अंत में, इस पुस्तक के निर्माण में सहयोग देने वाले विद्वानों, सहकर्मियों तथा विद्यार्थियों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। पाठकों से यह अपेक्षा भी है कि वे पुस्तक के विषय-वस्तु पर अपने रचनात्मक सुझाव देकर इसे और अधिक उपयोगी एवं परिष्कृत बनाने में सहायक होंगे।

— **डॉ. लोहंस कुमार कल्याणी, डॉ. नीरज यादव, वर्तिका राजपूत**

Contents

1. शिक्षा की संकल्पना 1
   Concept of Education
2. शिक्षा का उद्देश्य 11
   Aims of Education
3. दर्शन क्या है ? 34
   What is philosophy?
4. आदर्शवाद और शिक्षा 46
   Idealism and Education
5. शिक्षा में प्रकृतिवाद 53
   Naturalism in Education
6. शिक्षा में प्रयोगवाद या प्रयोजनवाद 63
   Pragmatism in Education
7. यथार्थवाद 74
   Realism
8. वेदान्त दर्शन 88
   Vedanta Philosophy
9. जैन दर्शन और शिक्षा 95
   Jain Philosophy and Education
10. बौद्ध दर्शन और शिक्षा 114
    Buddhist Philosophy and Education
11. श्रीमद भगवत गीता 134
    Shri Mad Bhagwadgeeta
12. महात्मा गांधी 137
    Mahatma Gandhi
13. रवीन्द्रनाथ टैगोर 142
    Rabindranath Tagore

14. सावित्रीबाई फुले 151
Savitribai Phule

15. स्वामी विवेकानन्द 167
Swami Vivekananda

16. प्लेटो के शैक्षिक विचार 173
Educational views of Plato

17. रूसो की जीवनी और कार्य 179
Biography and works of Rousseau

18. पाउलो फ्रीयर का शिक्षा दर्शन 187
Paulo Freire's educational philosophy

19. जॉन डेवी के शैक्षिक विचार 196
Educational ideas of John Dewey

20. शिक्षा और समाज 201
Education and Society

21. नव सामाजिक व्यवस्था 215
The New Social Order

22. सामाजिक विविधता की संकल्पना — धर्म और संस्कृति के संदर्भ में 227
Concept of Social Diversity in Terms of Religion and Culture

23. शिक्षा के उद्देश्य और भारतीय संविधान के मूल्य 243
Aims of Education and Values of the Indian Constitution

24. शिक्षा और लोकतंत्र 253
Education and Democracy

25. भारतीय ज्ञान परम्परा: अवधारणा एवं स्वरूप 266
Indian knowledge tradition: principles and form

26. वर्तमान संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की आवश्यकता 293
The need for Indian knowledge tradition

27. भारतीय ज्ञान परम्परा का एतिहासिक स्वरूप 310
Historical form of Indian knowledge tradition

28. भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमुख आयाम 332
Major dimensions of Indian knowledge tradition

29. प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली और शिक्षण विधियाँ 360
Education System and Teaching Methods of Ancient India

30. प्राचीन भारत के शिक्षण संस्थान 385
Educational institutions in ancient India

31. प्राचीन शिक्षा प्रणाली की व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका 414
Role of ancient education system in personality developmentRole of ancient education system in personality developmentRole of ancient education system in personality development